OXYZO FINANCIAL SERVICES LIMITED

(पहली ऐला OXYZO FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED के नाव ले जाने जात रहिस)
(कंपनी या फेर OXYZO)

ब्याज दर नीति

समीक्षा और अनुमोदन प्राधिकरण

अधिकार	पद
एखर दुआरा तैयार करे गे	*ऋन संचालन विभाग*
एखर दुआरा समीक्छा करे गे	*लेबल 1- संचालन समिति* *लेबल 2: परिसंपत्ति देयता समिति*
एखर दुआरा अनुमोदित करे गे	*निदेसक मंडल*

संस्करन इतिहास

संस्करन	जारी करे के तारीक	छोटकिन विवरन
1.0	*23-10-2018*	*निर्मान*
2.0	*16-09-2019*	*जून 2019 म कंपनी के स्टेटस NDSI के रुप म होगे, एखर बाद होए बदलाव*
3.0	*20-04-2021*	*ब्याज दर अउ जोखिम के स्तर म बदलाव अउ कइठन दूसर बदलाव*
3.1	*15.02.2023*	*संचालन समिति दुआरा समीक्छा करे गे*
3.2	*23.05.2023*	*निदेसक मंडल दुआरा नोट करे गे*
3.3	*09.11.2023*	*निदेसक मंडल दुआरा अनुमोदित*
4.0	*28.05.2024*	*निदेसक मंडल दुआरा समीक्छा अउ अनुमोदन करे गे*
5.0	*07.04.2025*	*निदेसक मंडल दुआरा समीक्छा अउ अनुमोदन करे गे*

1. पृस्टभूमि अउ उद्देस्य:

2. *भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) हर अपन परिपत्र संख्या DNBS.PD/CC.No.95 /03.05.002 /200607, दिनांक 24 मई, 2007 के माध्यम ले NBFC के बोर्ड ल ब्याज दर अउ प्रसंस्करन अउ दूसर सुल्क तय करे म बनेअसन आंतरिक सिद्धांत अउ प्रक्रिया तय करे के सलाह दे रहिस। उपर दे गे परिपत्र ल जारी रखत हुए, RBI हर अपन परिपत्र DNBS.204/CGM (ASR)-2009, तारीक 2 जनवरी, 2009 के जरिया NBFC ल ए निर्देस जारी करे हे, जेखर बाद नवा परिपत्र DoR.MCS.REC.28/01.01.001/2023-24, तारीक 18 अगस्त, 2023 आए हे:*

   सबो NBFC के बोर्ड, फंड के लागत, मार्जिन अउ जोखिम जइसन चीज ल ध्यान म रखत हुए, एकठन ब्याज दर माडल अपनाहीं अउ लोन बर लगे वाले ब्याज दर तय करहीं। ब्याज दर अउ जोखिम तय करे के तरीका अउ दूसर-दूसर श्रेनी के ग्राहिकमन बर लगे वाले ब्याज दर के बारे म, ग्राहिक ल ओखर आवेदन पत्र म जानकारी दे जाही अउ उंखर सेंक्सन लेटर/ फैक्ट स्टेटमेंट (KFS) म एखर बारे म साफ-साफ बताए जाना चाही।

   उपर बताए गे RBI के नियम-कानून के मुताबिक, Oxyzo Financial Services Limited हर ए ब्याज दर नीति ल अपनाए हे, एमा ब्याज दर के माडल अउ जोखिम के स्तर तय करे के तरीका के बारे म बताए गे हे। ए नीति ल हमेसा RBI के दिसानिर्देस, ओखर परिपत्र अउ दूसर सुझाव के संग म पढ़े जाना चाही।

   ब्याज दर नीति के बारे म कंपनी के निदेसक मंडल दुआरा समीक्छा अउ अनुमोदन करे हुए अब्बड़ बेरा होगे हे, एखर सेती नवा दिसानिर्देस ल देखत हुए, हमन हर अभी के ब्याज दर नीति के बारे म फेरे ले विचार करे हन अउ उनमा जरुरी बदलाव करे हन। बदले गे नीति ल समीक्छा अउ अनुमोदन बर निदेसक मंडल के आगु रखे जावत हे।

3. ब्याज दर निर्धारन के तरीका

दूसर-दूसर वित्तीय, जोखिम-आधारित अउ संचालन संबंधी तथ्य म बने असन विचार करे के बाद, एसेट लायबिलिटी कमेटी (ALCO) हर, ग्राहिकमन ले लिए जाए वाले ब्याज दर तय करथे। ए प्रक्रिया म इन-इन विसेस बात के ध्यान रखे जाथे:

i. फंड/पूंजी के भारित अउसत लागत

कंपनी हर बैंक टर्म लोन, नान-कन्वर्टिबल डिबेंचर (NCDs), कमर्सियल पेपर अउ सबऑर्डिनेटेड डेब्ट जइसन दूसर-दूसर तरीका के जरिया फंड जुटाथे। ऋन वित्त पोसन ले अलग, कंपनी के पूंजी संरचना म इक्विटी घलोक सामिल हे अउ वेटेड एवरेज कास्ट आफ कैपिटल (WACC) के आंकलन करत बेरा इक्विटी के लागत म घलोक विचार करे जाथे।

करजा के वेटेड एवरेज कास्ट के आंकलन, ए सबो बात ल ध्यान म रखत हुए करे जाथे:

- *करजा के अवधि*
- *प्रचलित बाजार तरलता*
- *पुनर्वित्त विकल्प*
- *फंड जुटाए अउ सर्विसिंग ले जुड़े आकस्मिक लागत*

फंड के सबो लागत ल निकाले बर, लोन के लागत अउ इक्विटी कैपिटल म उम्मीद के मुताबिक रिटर्न, दुनो म ध्यान रखना जरूरी हे।

ii. नकारात्मक कैरी आन लिक्विडिटी निवेस

तरलता के जोखिम के प्रबंध बर, कंपनी हर लिक्विडिटी रिस्क मैनेजमेंट पालिसी म जताए गे HQLAs नाव के लिक्विड इंस्ट्रूमेंट म निवेस करके एकठन लिक्विडिटी बफर बनाए रखथे। अइसन निवेस म यील्ड आम रुप ले उधार ले के लागत ले कम होथे, एखर ले नकारात्मक कैरी होथे, ब्याज दर तय करथ वखत एखर ध्यान रखे जाथे।

iii. परिचालन लागत

परिचालन खरचा म, कारोबार ल बने असन चलाए के लिए जरुरी सबो स्थिर अउ परिवर्तनीय खरचा ल सामिल करे जाथे। इनमा ए सबो सामिल हें, लेकिन इन मन इंहा तक ले ही सीमित नइ हें:

- *करमचारी लागत*
- *साखा-स्तरीय परिचालन व्यय*
- *बिकरी अउ विपनन लागत*
- *प्रौद्योगिकी अउ डिजिटल बुनियादी ढांचा म होए वाले खरचा*
- *सोर्सिंग, ग्राहिक सेवा अउ संग्रहन ले जुड़े लागत*

ये सबो खरचा ल दूसर-दूसर उत्पाद म बांटे जा सकत हे अउ कीमत तय करे के फइसला म इनला सामिल करे जा सकत हे।

iv. ALM बेमेल लागत

कंपनी हर छोटे-अवधि अउ लंबा अवधि के उधार के जरिया फंड जुटाथे। रेगुलेटरी एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट (ALM) नियम के पालन करे बर, एखर अंतर ल तय टालरेंस लिमिट के भीतर प्रबंध करे जाथे। ए सबो अंतर के संगे-संग, ग्राहिक दुआरा पुनर्भुगतान करे के व्यवहार ले अतिरिक्त लागत पड़ सकत हे, एला कीमत निर्धारन म सामिल करे जाथे।

v. क्रेडिट/डिफाल्ट जोखिम प्रीमियम

अइसन म जोखिम-आधारित तरीका अपनाए जाथे, जेमा क्रेडिट अउ डिफाल्ट जोखिम प्रीमियम ल अलग-अलग मामला के आधार म आंकलन करे जाथे, जेन इनमा आधारित होथें:

- *ग्राहिक के साख अउ पुनर्भुगतान छमता*
- *कोलेटरल के प्रकृति अउ मूल्य (अगर कोनो हो)*
- *ग्राहिक के कुल जोखिम प्रोफाइल*
- *उद्योग-विसिस्ट जोखिम कारक*

एखर ले ए पक्का होथे, के कीमत निर्धारन हर सबो परकार के ग्राहिक ले जुड़े क्रेडिट जोखिम ल दिखाए।

vi. परिसंपत्ति म अपेक्षित प्रतिफल (ROA)

सामान्य कारोबारी स्थिति म कंपनी के लक्छ 3-4% के अनुमानित ROA हासिल करना हे। हालांकि, एखर रेंज रननीतिक कारोबारी मुद्दा या फेर विसेस बाजार स्थिति के आधार म दूसर हो सकत है। वहनीयता अउ नफा पक्का करे बर, कीमत निर्धारन करत बखत प्रतिफल के आस ल सामिल करे जाथे।

4. ब्याज दर माडल अउ जोखिम के वर्गीकरन

दे जाए वाले ब्याज दर, फिक्स्ड रेट या फेर फ्लोटिंग रेट के आधार म हो सकत हे

- **निस्चित दर**
- **परिवर्तनीय/अस्थायी ब्याज दर**

लोन मंजूर करत बखत, अभी ग्राहिक ले लिए जाए वाले सालाना ब्याज दर नीचे दे गे सीमा म होहि (एमा प्रोसेसिंग फीस घलोक सामिल हे):*

उधार संपत्तियां/सेक्टर	*दर के सीमा*
असुरक्छित खरीद वित्तपोसन	*15% ले 21%*
सुरक्छित खरीद वित्तपोसन	*13% ले 18%*
मसीनरी ऋन	*11% ले 16%*
व्यवसाय ऋन	*16% ले 22%*
संपत्ति के एवज मा ऋन	*12% ले 16%*
सह-उधार/चैनल भागीदार	*20% ले 35%*
दूसर ऋन	*15% ले 35%*

दूसर-दूसर मामला के आधार म OBLR (Oxyzo बेस लेंडिंग रेट) ल ध्यान म रखत हुए, स्प्रेड के अलावा बदले वाले ब्याज दर

द्वसर-द्वसर मामला के आधार म, कंपनी के व्यवसायिक समिति हर उपर बताए गे ब्याज दर सीमा के न्यूनतम सीमा ले नीचे दर म कोनो लोन ल मंजूर कर सकत हे।

- *कंपनी हर ग्राहिक/संभावित उधारकर्ता के जोखिम स्तर तय करे बर एकठन संरचनात्मक अउ वैज्ञानिक तरीका अपनाथे, वो हर ए मानथे के हर ग्राहिक के अपन क्रेडिट प्रोफाइल होथे। अइसन जोखिम-आधारित तरीका हर, उधारकर्ता के जोखिम स्तर के आधार म कीमत निर्धारिन के सही रननीति बनाए म मदद करथे।*
- *एकठन डिफरेंसियल प्राइसिंग माडल लागू करे जाथे, जेमा आधार लेंडिंग रेट म कास्ट प्रीमियम या फेर छुट जोड़े जाथे, ए हर माप गे क्रेडिट रिस्क उपर निर्भर करथे।* नीचे दे गे मुख्य मापदंड के पूरा मूल्यांकन के आधार म अंतिम लेंडिंग रेट तय कर जाथे:

ग्राहिक विसेसता	व्यावसायिक व्यवहार्यता	एसेट / कोलेटरल विसेसता	ऋन विसेसता
उधारकर्ता प्रोफाइल अउ सेगमेंट	*व्यावसायिक गतिविधि के प्रकृति अउ पैमाना*	*कोलेटरल/सिक्योरिटी के प्रकार अउ स्थिति*	*ऋन-ले-मूल्य (LTV) अनुपात*
कंपनी के संग रिस्ता के अवधि अउ गहराई	*संबंधित व्यवसाय में कई बरस के अनुभव*	*परिसंपत्ति के उमर अउ उपयोग के तरीका*	*ऋन अवधि*
पुनर्भुगतान इतिहास अउ क्रेडिट ब्यूरो स्कोर (जइसे, CIBIL स्कोर)	*ऐतिहासिक अउ अनुमानित लाभप्रदता*	*बाजार मूल्य अउ मूल्यह्रास रुझान*	*लोन संरचना (फिक्स्ड/फ्लोटिंग)*
कमई के प्राथमिक अउ द्वितीयक स्रोत	*कैस फ्लो के उम्मीद अउ सीजनैलिटी/प्राफिटेबिलिटी*	*संपत्ति के ठिया अउ कानूनी स्वामित्व*	*सुरक्छा कवर, अगर कोनो होहि*
जमीन या संपत्ति के मालिकाना हक, उद्योग के स्रेनी	*अब्बड़ बखत तक ले कारोबार करे के छमता म असर डाले वाले कोनो भी प्रकार के मामला*		
भौगोलिक स्थिति			
अइसन कोनो भी प्रकार के जरुरी मापदंड, जेन क्रेडिट मैनेजर ल सही लगे			

उपर बताए गे आंकलन के मुख्य मापदंड, कीमत तय करे के फैसला बर मुख्य आधार के काम करथे। हालांकि, ये सबो मापदंड हर अपन आप म पूरा न नइ हें। समिति के तिरन उधारकर्ता के बिसेस प्रकृति, ओखर उद्योग के तौर-तरीका, बाजार के स्थिति या फेर कोनो दूसर जोखिम के आधार म दूसर गुनात्मक या मात्रात्मक तथ्य के बारे म विचार करे के अधिकार हे।

अइसन लचीलापन हर ए पक्का करथे के उधार के दर ल तय करना समझदारी वाला अउ अनुरुप रहे, जेन हर उधारकर्ता के सबो क्रेडिट प्रोफाइल के पूरा समझ दिखाने वाला हो। अइसन अउ बात म, उधार ले वाले के व्यवहार, नियामकिय बदलाव, पुनर्भुगतान के व्यवहार, कंसंट्रेशन रिस्क अउ पोर्टफोलियो बर रननीतिक महत्व सामिल हो सकत हे, लेकिन इन सबो हर अहीं मेर तक ले सीमित नइ होवए।

- *उपर बताए गे बात के अलावा, संबंधित प्रोडक्ट अउ ग्राहक के क्रेडिट अउ डिफाल्ट रिस्क के आधार म ब्याज दर तय करे जाहि, जेन हर ग्राहिक सेगमेंट, ओखर प्रोफाइल, प्राथमिक अउ कोलेटरल सिक्योरिटी के कमाई के तरीका अउ मूल्य के स्थिरता, ग्राहिक के पुनर्भुगतान के ट्रैक रिकार्ड, ग्राहिक के बाहरी रेटिंग, उद्योग के रुझान के आधार म तय होथे।*
- *दूसर-दूसर उधारकर्ता दुआरा एके बखत म ले गे एके उत्पाद अउ समय बर लगे वाले ब्याज दर ल मानकीकृत करे के कोनो जरुरत नइ हे।*
- *फिक्स्ड या फेर फ्लोटिंग आधार म ब्याज दर पेस करे जाहि। फ्लोटिंग ब्याज दर के मामला म, रेफरेंस दर, यानि 3 महीना के फ्लोटिंग, 6 महीना के फ्लोटिंग अउ 12 महीना के फ्लोटिंग रेट के बार-बार समीक्छा करे जाहि अउ बदले हुए ब्याज दर के बारे म ग्राहिकमन ल जानकारी दे जाहि।*
- *लागू करे गे OBLR रेफरेंस रेट ल बेरा-बेरा म कंपनी के बेबसाइट म अपडेट करे जाहि।*
- *कंपनी हर रिस्क प्रोफाइल, स्रेनी, उद्योग के स्रेनी अउ संबंधित गोठ-बात के आधार म ग्राहिक बर फ्लोटिंग रेट ले उपर स्प्रेड लगा सकत हे या फेर छुट दे सकत हे।*
- *ग्राहिकमन ल उंखर लोन के कागज-पतरी के सर्त के मुताबिक, ब्याज म बदलाव के जानकारी दे जाहि। ब्याज म कोनो भी बदलाव ल आगु के तारीक ले लागू करे जाहि।*
- *अलग-अलग भुगतान के मामला म ब्याज के समीक्छा करे जाहि अउ ए हर भुगतान के बेरा मउजूद दर के हिसाब ले या फेर कंपनी दुआरा तय करे गे दर के हिसाब ले बदल तको सकत हे।*

ग्राहिक ल ओखर सेंक्सन लेटर/KFS म लोन के रकम, सालाना ब्याज दर, लोन के अवधि अउ किस्त के बारे म बताए जाहि।

सामान्य ब्याज के अलावा, Oxyzo हर अनोपचारिक सुविधा बर अतिरिक्त ब्याज, कोनो भी बकाया के भुगतान म कोनो भी देरी या डिफाल्ट बर पेनल्टी चार्ज/डिफाल्ट चार्ज लगा सकत हे। लोन एग्रीमेंट/सेक्सन लेटर /KFS म पेनल्टी चार्ज के बारे म पूरा जानकारी बड़का-बड़का अक्छर म लिखे होहि।

जहां भी जरुरी समझे जाहि Oxyzo दुआरा ब्याज के अलावा, दूसर वित्तीय सुल्क जइसे प्रसंस्करन सुल्क, सेवा सुल्क, बाउंस सुल्क, पूर्व भुगतान सुल्क, प्रतिबद्धता सुल्क, दूसर सेवा उपर सुल्क जइसे कोनो बकाया नइ होए के प्रमान पत्र जारी करना, अनापत्ति प्रमान पत्र, संपत्ति/सुरक्छा के पत्र, सीडिंग सुल्क, लगाए जाहि। एखर अलावा, बेरा-बेरा म वस्तु अउ सेवा कर अउ दूसर कर, लेवी या फेर सेस घलोक वसूले जाहि।

कोनो प्रकार से सुल्क/पेनल्टी/अतिरिक्त सुल्क/ब्याज के वापसी या माफी के दावा या इंखर अनुरोध के मामला म पूरा अधिकार Oxyzo के होहि।

5. ब्याज दर लगाना

RBI के निर्देस के पालन करे बर अउ ब्याज वसूले म पारदर्सिता अउ निस्पक्छता सुनिस्चित करे बर, Oxyzo दुआरा अइसन तरीका अपनाए जाहि:

a. ब्याज वसूली के सुरुआत के तारीक

Oxyzo ए पक्का करही के लोन मंजूरी के तारीक या लोन एग्रीमेंट के तारीक ले ब्याज झन वसूले जाए। ब्याज ल ओहि तारीक ले सुरु करे जाहि, जब ग्राहिक के खाता म पइसा आ जाहि।

b. आंसिक अवधि बर आनुपातिक ब्याज

अइसन मामला म जिहां लोन के वितरन या पुनर्भुगतान महीना के बीच म होवत हे, त Oxyzo ओहि अवधि बर ब्याज लिही जेन अवधि म लोन बकाया रहिस, पूरा महीना बर नइ।

c. अग्रिम किस्त ले बचना

पूरा लोन रासि के हिसाब लगात बखत, ब्याज लगाए बर, Oxyzo एक या जादा किस्त एडवांस म ले के तरीका नइ अपनाही।

6. समीक्छा/संसोधन

बखत म जरुरत पड़े म, कंपनी के एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट कमेटी तिरन OBLR म बदलाव करे अउ हर उत्पाद म लगे वाले ब्याज ल तय करे के अधिकार हे।

ए नीति के समीक्छा नियम-कानून या सालाना आधार पर करे जाहि, जेन भी पहिली हो।

7. बेबसाइट के सामग्री

ए ब्याज दर नीति के बारे म, सही जानकारी, कंपनी के बेबसाइट म दे जाहि।

****